

FORM No .III


फॉर्म अहकाम

(नियम 26)

अब आदात सहायक कलेक्टर, भोसिया
मुकाम

क्रमांक लाड कंवर वर्गेश वनाम राणपत सिंह वर्गेश

किस्म मुकदमा लाड कंवर वर्गेश नं. 197/2012 वर्ष

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इतिशिवल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम को तारीख में जारी हुए
5-10-2012	<p>पत्रावली पेश हुई। अमान पठासोन आधिकारी व्यवस्था प्रकृतियों में प्रकृत होते हे पेशी इलतवा की जाकर अमान पठासोन दिनांक- 6-11-12 को पेश हा। आजा है।</p> <p> सहायक कलेक्टर एवं उप जज भोसिया</p>	
6/11/12	<p>पत्रावली पेश हुई। अमान पठासोन आधिकारी व्यवस्था प्रकृतियों में प्रकृत होते हे पेशी इलतवा की जाकर अमान पठासोन दिनांक- 18/12/12 को पेश हा। आजा है।</p>	
18/12/12	<p>अकील वादी/गवा उपा / प्रतिवादी/गवा सं. 1 व 6 की पत्रावली पेश की जा रही है। अमान पठासोन दिनांक- 18/12/12 को पेश हा। आजा है।</p> <p>सहायक कलेक्टर, भोसिया</p>	
5/2/13	<p>पत्रावली पेश हुई। अमान पठासोन आधिकारी व्यवस्था प्रकृतियों में प्रकृत होते हे पेशी इलतवा की जाकर अमान पठासोन दिनांक- 13/3/13 को पेश हा। आजा है।</p>	
8/3/13	<p>पत्रावली पेश हुई। अमान पठासोन आधिकारी व्यवस्था प्रकृतियों में प्रकृत होते हे पेशी इलतवा की जाकर अमान पठासोन दिनांक- 15/1/13 को पेश हा। आजा है।</p>	
1/5/13	<p>पत्रावली पेश हुई। अमान पठासोन आधिकारी व्यवस्था प्रकृतियों में प्रकृत होते हे पेशी इलतवा की जाकर अमान पठासोन दिनांक- 4/6/13 को पेश हा। आजा है।</p>	



प्राथी व उसके वकील उपस्थित/विपती
उपस्थित/अनुपस्थित प्रकरण को लोक अदालत
में रजम करने हेतु दोनों पक्ष सहमत है
अतः प्रकरण लोक अदालत में रजम किया
जाता है पक्षकारान दिनांक 21/5/18 को
लोक अदालत के सामक्ष उपस्थित रहे।

पक्षकारान उप./अनु./वकील प्राथी/अप्राथी
उपस्थित/अनुपस्थित प्रकरण को लोक अदालत में पेश
किया गया परन्तु समझौता नहीं हुआ। अतः पत्रावली संबंधित
प्रकरण में वापिस लौटायी जाये। 14/8/18

पत्रावली पेश हुई। आज पाठालीन कविका
उपस्थित/अनुपस्थित प्रकरण को लोक अदालत में
पेश किया गया परन्तु समझौता नहीं हुआ। अतः पत्रावली
संबंधित प्रकरण में वापिस लौटायी जाये। 14/8/18

14.08.18

पत्रावली पेश हुई। आज पाठालीन कविका
उपस्थित/अनुपस्थित प्रकरण को लोक अदालत में
पेश किया गया परन्तु समझौता नहीं हुआ। अतः पत्रावली
संबंधित प्रकरण में वापिस लौटायी जाये। 07/11/18

24.11.18

14.11.18 वकील वादीनी व प्रतिवादीगण के वकील की
ओर से शर्चना पत्र वाकन पत्रावली आज
ही रख करके का शर्चना पत्र पेश किया
जा था शर्चना मिल रही है। पत्रावली व प्रत्यक्षी गरी
वकील वादीनी व प्रतिवादीगण ने शर्चना पत्र
वाकन उकठण जरिमे राजीनामा के विडोव करने
का पेश किया जो शर्चना मिल रही है।
दोनों पक्षकारान द्वारा उपरोक्त उकठण में
वादीनी एवम प्रतिवादीगण के बीच शर्चना मुख्यतः
समझौता से राजीनामा हो गया है इसलिये उक्त
वादपत्र को आगे चलाना नहीं चाहिए है न
उक्त वाद जरिमे राजीनामा विडोव किये को तेमा है

पक्षकारान प्राथी
14/11/18

अतः उक्त उकठण को जरिमे राजीनामा
विडोव किया जा रहा है
उकठण केसल शुमार होकर नबल है
कुम किया जाकर वापिस लौटाया है।

न्यायक इतिवद, घोषित

सेवार्थ,

14/11/18



श्रीमान् सहायक कलेक्टर एवम्
उपडाण्ड अधिकारीजी, औरंगाबाद ।

रजिस्त्र वाद संख्या:- 197/2012

तारीखापेशी:- 08/01/2019

वादी:-

बनाम

प्रतिवादीगण:-

ला केवर

गणपत सिंह वगेरा

प्राथम्यापत्र बाबत पत्रावली आज ही तलब करने

मान्यवरजी,

उपरोक्त फ़रण में वादी की ओर से निवेदन है कि:-

॥1॥ यह है कि उपरोक्त फ़रण का वाद न्यायालय हाल में चल रहा है जिसकी पेशी दिनांक 08/01/2019 को सुकर रखी गई है ।

॥2॥ यह है कि उपरोक्त पेशी लम्बी होने के कारण वादी अपनी पत्रावली आज ही तलब करना चाहती है ।

॥3॥ यह है कि उपरोक्त पत्रावली तलब कर उक्त फ़रण जरिये रालीनामा के विद्मोल करना चाहती है ।

अतः प्राथम्यापत्र पेश कर निवेदन है कि श्रीमान् उक्त फ़रण की पत्रावली आज ही तलब करने का आदेश प्रदान करावे ।

दिनांक:- 14/11/18

वादी
मासकर

श्रीमान् सहायक कलेक्टर
उपडाण्ड अधिकारी
औरंगाबाद
14/11/18

सेवार्थे,

[Handwritten Signature]
14/11/18



श्रीमान् सहायक कलेक्टर स्वम
अपठान्ड अधिकारीजी, ओसिया ।

रालस्व वाद संख्या:- 197/2012

तारीखापेशी:- 08/01/2019

वादी:-

बनाम

प्रतिवादीगण:-

लाडकवर

गणपतसिंह वगेरा

प्राधानापत्र बाबत उक्त फ़रण को लीरये रालीनामा के
विज्ञोल करने बाबत ।

===

मान्यवरजी,

अपरोक्त फ़रण मे वादी की ओर से निम्न निवेदन है कि:-

॥1॥ यह है कि उक्त फ़रण का मुकदमा न्यायालय हालत मे चल
रहा है निस्की पेशी दिनांक 08/01/2018 को न्यायालय हालत मे सुकरर
रखी गई है ।

॥2॥ यह है कि अपरोक्त फ़रण मे वादी स्वम प्रतिवादीगण के
बीच गाव मुडयान की समझ समझार्से से रालीनामा हो गया है इसलिये
वादी अपना उक्त फ़रण आगे चलाना नही चाहती है तथा अपना
उक्त वाद लीरये रालीनामा के विज्ञोल करने को तैयार है ।

॥3॥ यह है कि भविष्य मे दोनों पक्ष उक्त आराली को लेकर
किसी फ़ार से मन-मुटापि नही रखेंगे ।

अतः परखवास्त पेश कर निवेदन है कि प्राधानी वादी के
उक्त फ़रण को लीरये रालीनामा के विज्ञोल करने का आदेश प्रदान करावे ।

दिनांक:- 14/11/18

[Handwritten Signature]
14/11/18

लाडकवर
वादी
[Handwritten Signature]